**न्यायाधीश के समक्ष अग्रिम जमानत के लिए आवेदनपत्र**

न्यायलय सत्र न्यायाधीश ....................................

दाण्डिक प्रकीर्ण सं. ................सन ...................

**दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 438 के अधीन अग्रिम जमानत के लिए एक आवेदनपत्र और के मुद्दे में –**

अबक .............याची

बनाम

राज्य ............प्रत्यर्थी

ऊपर नामित याची को विनम्र याचिका अति सादरपूर्वक निम्नलिखित प्रदर्शित करती है -

1. यह कि याची एक आदरणीय व्यक्ति है तथा ख्याति प्राप्त व्यापारी है।
2. यह की ................ का एक स्थायी निवासी है।
3. (तथ्यों का वर्णन करें)
4. यह कि याची परिवाद के अनुसरण में पुलिस द्वारा गिरफ्तारी की आशंका करता है और इस प्रकार तद्वारा अनावश्यक परेशानी, मानसिक पीड़ा तथा असुविधा को प्रस्तुत किया जायेगा।
5. यह कि याची एतद्वारा सभी निबन्धनों एवम् शर्तो का पालन करने के लिए वचनबन्ध देता कि यह माननीय न्यायालय जमानत के आदेश में याची पर अधिरोपित कर सकेगा।
6. यह कि मान ले अग्रिम जमानत जिसके लिए प्रार्थना की जाती नहीं स्वीकृत की जाती है तो याची की अपूर्णनीय क्षति होगी।
7. यह कि अग्रिम जमानत के आवेदन पत्र सद्भावनापूर्वक और न्यायहित में प्रस्तत किया जाता है।

प्रार्थना

अतएव यह विनम्रता पर्वक प्रार्थना की जाती है कि यह न्यायालय अग्रिम जमानत याची को मंजर करने की कृपा करेगा। और ऐसा अन्य आदेश या आदेशों को पारित करने की कृपा करे जिसे आप उचित एवम् ठीक समझे।

और आपके इस दयापूर्ण कार्य के लिए याची सदैव प्रार्थना करेगा।

याची

जरिये अधिवक्ता

स्थान:

तारीख:

**सत्यापन**

 में ............................ पुत्र ...................निवासी ............................ निम्नलिखित रूप में सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान एवम् कथन करता हूँ -

1. यह कि मैं इस मामले के तथ्यो एवम् परिस्थितियों से भिन्न तथा ऊपर नामित किया गया याची हूँ।
2. यह कि याचिका के इसमें इसके ऊपर पैरा ............................ लगायत..................... में किये गये कथन मेरी जानकारी एवम् विश्वास में सत्य है।
3. यह कि मैंने .................... में तारीख .................. को इस सत्यापन पर हस्ताक्षर किया है।

नोटरी के समक्ष